No. of Printed Pages : 3 C0918 9ULE - 005

DIPLOMA IN URDU LANGUAGE (DUL)

Term-End Examination

June, 2014

OULE – 005 : Principles of Translation

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

نوٹ: صرف پانچ سوال کیجئے۔ نمبر مساوی ہیں۔

1۔ "ترجمے میں تہذیبی لین دین کا عمل ہوتا ہے" اس قول کی وضاحت کیجئے۔ 10

یا

رجسٹرڈ کے بنیادی عناصر کیا ہیں۔

2۔ اشتہارات میں کیسی زبان استعمال کرنی چاہئے۔ مثال دے کر سمجھائیں۔ 10

یا

اصطلاحوں کو واضع کرنے کے اصولوں سے بحث کیجئے۔

3۔ اردو ترجمے کی روایت میں فورٹ ولیم کالج نے کیا رول ادا کیا ہے۔ 10

یا

اردو کے دو ایسے اداروں پر تبصرہ کیجئے جہاں سائنسی کتابوں کے ترجمے ہوتے ہوں۔

4۔ لفظ اور اصطلاح میں کیا فرق ہے۔ مثالوں سے سمجھایئے۔ 10

یا

دہلی کالج کی خدمات کا جائزہ لیجئے اور اس کی تاریخی اہمیت پر روشنی ڈالئے۔

5۔ نیچے دیئے گئے اقتباس کا سلیس اردو میں ترجمہ کیجئے۔ 10

A creative writer has the freedom of choices whereas a critic has not in regard to thematic, modes and aesthetics. In other words, a literary text is more eloquent than any critical interpretation or appreciation. How you reconcile the critical constraints and the creative assertim's.

In Urdu literary criticism, modernism made its impact on this side of the globe when it had lost its relevance in the past. Now even post-modernism is a thing of the past.

या

गांधी जी तथा उनके अनुयायी और भारतीय समाजवादी आंदोलन के प्रणेता राममनोहर लोहिया के भी भाषा के संदर्भ में बड़े ओजस्वी विचार थे। उन्होंने कहा था "मेरी समझ में वे लोग बेवकूफ हैं जो अंग्रेजी को चलाते हुए समाजवाद कायम करना चाहते हैं। वे भी बेवकूफ हैं जो समझते हैं कि

अंग्रेज़ी के रहते हुए भी जनतंत्र आ सकता है। हम तो समझते हैं कि अंग्रेज़ी के होते यहाँ ईमानदारी आना भी असंभव है। थोड़े से लोग इस अंग्रेज़ी के जादू के द्वारा करोड़ों को धोखा देते रहेंगे"।

डॉ. वेद प्रताप वैदिक जो साठ के दशक में भारत में हिन्दी आंदोलन के अग्रणी नेताओं में रहे हैं, का मत था कि "अंग्रेज़ी की अनिवार्य शिक्षा ने करोड़ों बच्चों को दिमागी तौर पर अपाहिज बना दिया है। दो प्रतिशत अंग्रेजीदां लोगों ने देश की सारी सुविधाओं एवं साधनों पर अधिकार कर कब्जा जमा रखा है। करोड़ों गरीब ग्रामीण दबे–पिसे लोगों की दुनिया में अंधेरा ही अंधेरा है। उन्नत वर्ग साँप की तरह कुंडली पसारे बैठा है। हिन्दुस्तान में चल रहा अंग्रेजी का दबदबा समाजवाद एवं लोकतंत्र की हत्या का औजार है। अंग्रेज़ी का आवश्यक प्रयोग आम जनता के विरूद्ध सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक एवं धार्मिक षडयंत्र है।"

——**——